वन उत्पादकता संस्थान, रांची

Advance Training in Remote Sensing and GIS
विषय पर
पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
(01.12.2020 से 04.12.2020 तक एवं 07.12.2020)

मानव संसाधन विकास (HRD) कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा प्रायोजित एवं वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा आयोजित "Advance training in Remote Sensing and GIS" विषय पर आभासीय माध्यम से डां. शरद तिवारी, वैज्ञानिक एफ के समन्वय में पांच दिवसीय (01.12.2020 से 04.12.2020 तक एवं 07.12.2020) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आभासीय मंच (Video Conferencing) के द्वारा किया गया जिसमे भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने ऑनलाइन माध्यम से किया| अपने उद्घाटन सम्बोधन में डॉ. कुलकर्णी ने आधुनिक युग में GIS की महत्ता पर प्रकास डालते हुए वन क्षेत्र में इसकी उपयोगिता का विस्तार से उल्लेख किया। २३ प्रशिक्षणार्थियों को आभासीय माध्यम से सम्बोधित करते हुए निदेशक महोदय ने कहा कि वनों में कार्य करना प्राय: दुष्कर हुआ करता है लेकिन GIS प्रणाली ने इसे बहुत हद तक आसान किया है जिससे वनों में कार्य करना एवं वास्तविक डेटा एकत्र करना सुगम हुआ है। प्रशिक्षण की आवश्यकता पर संस्थान के समुह समन्वयक अनुसंधान डॉ. योगेश्वर मिश्रा ने कहा कि वनों में कार्य करने के लिये GIS एवं Remote Sensing का अनुप्रयोग कार्य क्षमता को विस्तार देता है। डॉ. शरद तिवारी ने प्रतिभागियों से परिचय कराते हुए प्रशिक्षण की विस्तृत रुपरेखा प्रस्तुत की। साथ ही साथ "Introduction to GIS and Remote Sensing" विषय पर प्रस्तुति दी।

द्वितीय दिन प्रथम सत्र में डॉ. हरीश कर्नाटक, वैज्ञानिक-जी, IIRS, देहरादून ने इंटरनेट तकनीक, इंटरनेट का उपयोग, open GIS पोर्टल से डाटा एवं सूचना एकत्र करना, मापन आदि पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया एवं प्रतिभागियों द्वारा उठाए गयी समस्याओं का समाधान किया। द्वितीय सत्र में डॉ. राजीव पाण्डेय, वैज्ञानिक-ई, भा.वा.अनु.एवं शि.प., देहरादून ने क्षेत्र में नमूना तैयार करना एवं प्रतिग़मन विश्लेषण को विस्तार से बताया।

तीसरे दिन डॉ.अमित कुमार, सहायक व्याख्याता, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (Central University of Jharkhand), रांची, ने SAR के अनुप्रयोग एवं वनों में हाइपरस्पेक्टरल (Hyperspectral) डाटा के विषय में प्रशिक्षित किया। डॉ. समीर सरन, वैज्ञानिक-जी, IIRS, देहरादून, ने प्रजाति वितरण माडलिंग तथा उसकी उपयोगिता को विस्तार से बताया।

चौथे दिन, डॉ. पुलोकेश दास, WRI, Delhi, ने Google Earth Engine एवं Dyna Clue Model स्रोत से वनाच्छादन में परिवर्तन के विषय में जानकारी दिया। डॉ. शम्भुनाथ मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने GPS के विषय में विस्तार से बताया। multi satellite ranging system के सारे अवयवों से प्रतिभागियों को परिचित कराया तथा जियो पोजीशनिंग सिस्टम (Geo-positioning system) की आवश्यकता के विषय में प्रशिक्षित किया।

पांचवे एवं आखिरी दिन, डॉ. शरद तिवारी, प्रशिक्षण समन्वयक एवं वैज्ञानिक-एफ, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने Modeling species distribution using Maxent का वर्णन करते हुए इसके सारे घटक (component) से प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया एवं पूरे सत्र में हुए प्रशिक्षण का प्रतिपुष्टि प्राप्त कर उनके समस्याओं को सरलता से समाधान किया। साथ ही साथ संस्थान के सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए प्रशिक्षण समाप्ति की घोषणा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विस्तार प्रभाग, सूचना एवं जन सम्पर्क प्रभाग तथा सम्पदा प्रभाग की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

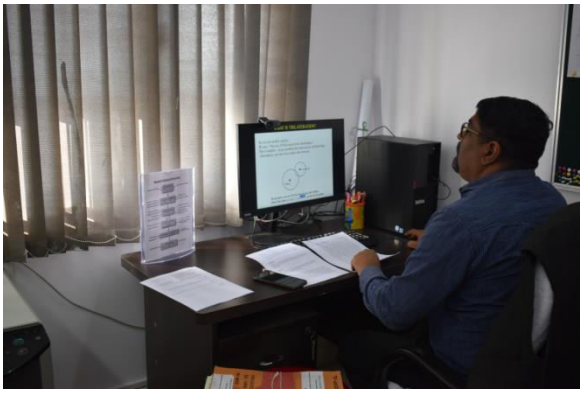

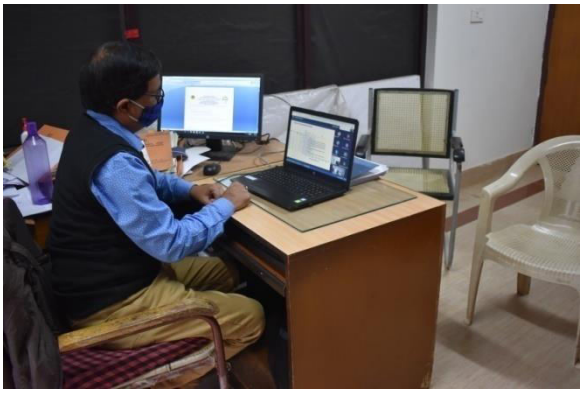

Advance Training on GIS and Remote Sensing विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ